

फैबलेस फाउंड्री केंद्र स्थापित करने की संभावना इंदौर में नीति आयोग सदस्य ने दौरा किया

इंदौर ■ राज न्यूज नेटवर्क

आईआईटी इंदौर का दौरा नीति आयोग के सदस्य, डीआरडीओ के पूर्व महानिदेशक और भारतीय रक्षा मंत्री के पूर्व मुख्य वैज्ञानिक सलाहकार, डॉ. विजय कुमार सारस्वत ने किया। उनका उद्देश्य राज्य में, फैबलेस फाउंड्री के लिए एक केंद्र स्थापित करने की संभावना का पता लगाना था, जिसके लिए मध्य प्रदेश और संस्थान को इस पहल का एक हिस्सा बनाना है। फैबलेस मैनुफैक्चरिंग में सेमीकंडक्टर चिप्स का डिजाइन शामिल है, जबकि उनके फैब्रिकेशन को सेमीकंडक्टर फाउंड्री में आउटसोर्स करना है। लगातार बदलते वैश्विक परिदृश्य और 'मेक इन इंडिया' विजन के तहत, मध्य प्रदेश में एक इलेक्ट्रॉनिक्स मैनुफैक्चरिंग क्लस्टर स्थापित करने की व्यवहार्यता का आकलन किया जा रहा है।

एक केंद्र स्थापित करने पर की चर्चा: इस संदर्भ में, डॉ. सारस्वत ने संस्थान के संकाय सदस्यों से मुलाकात की जो इस क्षेत्र के विशेषज्ञ हैं और इस क्षेत्र में व्यापक शोध कर रहे हैं। प्रमुख फोकस, वेरी लार्ज-स्केल इंटीग्रेशन (वीएलएसआई) डिजाइन, निर्माण और अनुप्रयोग पर था। आईआईटी इंदौर के लगभग 20 संकाय सदस्यों के एक समूह ने डॉ. सारस्वत को उनके काम पर प्रकाश डालते हुए प्रस्तुतियां दीं। भारत सरकार की पहल के हिस्से के रूप में, आईआईटी इंदौर में सेमीकंडक्टर डिजाइन और निर्माण पर एक अनुसंधान और प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने पर भी चर्चा की गई। डॉ. सारस्वत ने यह भी आश्वासन दिया कि आईआईटी इंदौर की अनुसंधान क्षमताओं का उपयोग किया जाएगा और इलेक्ट्रॉनिक्स क्लस्टर की स्थापना की व्यवहार्यता का पता लगाया जाएगा।

शोध कार्य का है समाज से सीधा संबंध

डॉ. सारस्वत ने स्टूडेंट्स, फैकल्टी और कर्मचारियों की एक सभा को संबोधित किया और अपने विशाल, विविध और समृद्ध अनुभव को साझा किया। उन्होंने देश के विज्ञान, प्रौद्योगिकी और आर्थिक विकास के व्यापक स्पेक्ट्रम को कवर किया। उन्होंने कहा, दुनिया भर में, वैज्ञानिक दिमागों को एक साथ आना होगा और समाज की बेहतरी के लिए उनका उपयोग करना शुरू करना होगा। समाज विज्ञान और प्रौद्योगिकी का लाभार्थी है। उन्होंने संस्थान से स्वास्थ्य देखभाल, रक्षा, एआई, जीवन रक्षक चिकित्सा अनुप्रयोग और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी आदि पर सतत विकास के क्षेत्र में व्यापक रूप से काम करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, मुझे यह देखकर खुशी हो रही है कि आईआईटी इंदौर के शोध कार्य का समाज से सीधा संबंध है। उन्होंने सलाह दी कि बेहतर शोध के लिए वैज्ञानिक और तकनीकी दृष्टिकोण रखना चाहिए और फिर पारिस्थितिक, आर्थिक और राजनीतिक दृष्टिकोण को भी ध्यान में रखना चाहिए।